प्रकाशन तिथि : 15 सितम्बर, 2024
प्रेषण तिथि : 19 सितम्बर, 2024

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2024-2026
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 28 | अंक 13 | कुल पृष्ठः 8 | एक प्रतिः रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

भवानी निकेतन विधि महाविद्यालय के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण समारोह संपन्न

जयपुर में सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन परिसर में भवानी निकेतन विधि महाविद्यालय के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण समारोह 11 सितम्बर को आयोजित हुआ। समारोह को संबोधित करते हुए श्री अर्जुनराम मेघवाल (विधि एवं न्याय मंत्री, स्वतंत्र प्रभार, भारत सरकार) ने कहा कि आज ही के दिन शिकागो (अमेरिका) में स्वामी विवेकानन्द ने विश्व धर्म संसद में संबोधन देकर भारतीय दर्शन और संस्कृति की महानता से संसार को अवगत कराया था। उन्होंने केन्द्र सरकार द्वारा लागू किये गये नये कानूनों की जानकारी भी विधि विद्यार्थियों को दी। उन्होंने बाबा रामदेव जी के दादा रणसी जी का जीवन परिचय दिया और बाबा रामदेव जी का भजन भी सुनाया। भवानी निकेतन शिक्षा समिति के अध्यक्ष शिवपाल सिंह नांगल ने कहा कि वर्तमान समय में देश विरोधी शक्तियों द्वारा भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म को नष्ट करने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। सामाजिक समरसता को बिगाड़कर देश का वातावरण खराब करने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में सामाजिक सद्भावना के प्रतीक बाबा रामदेव जी के संदेश को स्मरण करने और सभी तक पहुंचाने की आवश्यकता है।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

धंधुका में सरस्वती सम्मान समारोह का आयोजन

गुजरात में अहमदाबाद जिले के धंधुका कस्बे में स्थित राजपूत छात्रावास में 8 सितंबर को चुड़ासमा राजपूत समाज द्वारा सरस्वती सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गुजरात सरकार के पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह चुड़ासमा ने शिक्षा को उन्नत जीवन की आधारशिला बताते हुए विद्यार्थियों को लगन पूर्वक अध्ययन करने की बात कही। श्री क्षत्रिय युवक संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक अजीत सिंह धोलेरा ने युवाओं को शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों का महत्व बताया और श्री क्षत्रिय युवक संघ की सामूहिक संस्कारमयी कर्मप्रणाली की जानकारी देकर संघ से जुड़कर क्षत्रियोचित संस्कारों को अपने जीवन का अंग बनाने की बात कही। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न कक्षाओं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले समाज के विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

नोखा में राजपूत प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

श्री राजपूत समाज नोखा द्वारा श्री करणी राजपूत छात्रावास नोखा में 25 अगस्त को प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें बोर्ड परीक्षा में 85 प्रतिशत व स्नातक में 70 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों, राज्य व राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों और नव चयनित कर्मचारियों-अधिकारियों सहित 220 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। अर्जुन अवार्डी मगन सिंह राजवी ढिंगसरी, कर्नल हेम सिंह शेखावत मण्डरेला, भीख सिंह गुंदुसर (अध्यक्ष श्री करणी सेवा संस्थान नोखा), कर्नल मोहन सिंह धुपालिया, अरुण सिंह जाँगलू (कमांडेंट बॉर्डर होमगार्ड) के आतिथ्य में संपन्न इस कार्यक्रम में समाज के प्रशासनिक एवं अन्य सेवाओं के अधिकारियों द्वारा युवाओं को कैरियर संबंधी मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया। (शेष पृष्ठ 7 पर)

निरंतर जारी है युवाओं में क्षत्रियोचित संस्कारों का सिंचन

(तीन राज्यों में 16 प्राथमिक प्रशिक्षण शिविरों में 2000 से अधिक शिविरार्थियों ने लिया प्रशिक्षण)

श्री क्षत्रिय युवक संघ द्वारा समाज की युवा पीढ़ी में क्षत्रियोचित संस्कारों के निर्माण के लिए प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन निरंतर जारी है। इसी क्रम में 23 से 28 अगस्त तक राजस्थान, गुजरात व महाराष्ट्र राज्यों के विभिन्न स्थानों पर 16 प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुए जिनमें 2000 से अधिक शिविरार्थियों ने संघ का प्राथमिक स्तर का प्रशिक्षण प्राप्त किया। दक्षिण गुजरात संभाग में सूरत के साबरगांव में स्थित अंबाबा कॉलेज में श्री क्षत्रिय युवक संघ का प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 25 से 28 अगस्त तक आयोजित हुआ। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी गजेन्द्र सिंह आऊ ने शिविरार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह हमारा जीवन केवल हमारा ही नहीं है। जिस परिवार में हमने जन्म लिया, जिस जाति, समाज और राष्ट्र में हमने जन्म लिया, उन सभी का हमारे इस जीवन पर अधिकार है। परिवार, समाज, राष्ट्र आदि के बिना हमारा अस्तित्व उसी प्रकार संभव नहीं है जिस प्रकार जड़ों के बिना किसी वृक्ष का अस्तित्व संभव नहीं है इसलिए इन सभी के प्रति हमारा उत्तरदायित्व भी बनता है। इस उत्तरदायित्व का निर्वहन तभी हो सकेगा जब हम इन सभी के लिए किसी न किसी रूप में उपयोगी बनेंगे। इसी उपयोगिता की साधना हम आने वाले चार दिनों तक यहां करेंगे। शिविर में सूरत, चलथान, कराड़ा, सायन, जोलवा, खानपुर आदि स्थानों से 135 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। वरिष्ठ स्वयंसेवक दीवान सिंह काणेटी सहयोगियों सहित शिविर में उपस्थित रहे। महाराष्ट्र संभाग के दक्षिण मुंबई प्रांत में खारघर (नवी मुंबई) में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 25 से 27 अगस्त तक आयोजित हुआ। केंद्रीय कार्यकारी प्रेम सिंह रणधा ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि यहां आपके लिए सुख-सुविधाओं की कोई व्यवस्था नहीं की गई है लेकिन समूह में रहते हुए हमें सुविधाओं के अभाव का पता ही नहीं चलता। सामूहिक अभ्यास से यह कष्टप्रद साधना भी हमारे लिए सरल हो जाती है। यह कर्तव्य का मार्ग है जिस पर व्यक्तिगत सुख-सुविधाओं और इच्छाओं को बलि चढ़ाए बिना नहीं चला जा सकता। उन्होंने बताया कि हम कौन हैं, इसे पहचानने की आवश्यकता है, दूसरों को राह दिखाने वाले दूसरों का अनुकरण नहीं किया करते बल्कि अपने साहस, परिश्रम और त्याग से अपना मार्ग स्वयं बनाया करते हैं। (शेष पृष्ठ 2 पर)

निरंतर जारी है युवाओं में क्षत्रियोचित संस्कारों का सिंचन

काम्बेश्वर

नूंवा

मोड़रड़ी

(पेज एक से लगातार)

संघ के स्वयंसेवक के रूप में आपको भी ऐसा ही करना है। शिविर में मुंबई, पुणे और हैदराबाद के 126 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। बीकानेर संभाग के पूगल-अनूपगढ़ प्रांत के मसीतावाली हैड में एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 24 से 27 अगस्त तक आयोजित हुआ। शिविर का संचालन करते हुए गुलाब सिंह आशापुरा ने शिविरार्थियों से कहा कि पूज्य तनसिंह जी की समाज के प्रति पीड़ा श्री क्षत्रिय युवक संघ के रूप में व्यक्त हुई। समाज के प्रति अपने चिंतन के कारण ही पूज्य तनसिंह जी का जीवन व दर्शन हमारे लिए प्रेरणास्रोत है। शिविर में मसीतावाली हैड, लालावाली, 465 आरडी, 68 एनपी, 2 डीएम, 4 बीएलडी, अनूपगढ़ आदि गांवों के 74 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। रघुवीर सिंह स्याणा ने ग्रामवासियों के सहयोग से व्यवस्था का जिम्मा संभाला। बीकानेर संभाग के कानासर गांव में श्री क्षत्रिय युवक संघ का प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर इसी अवधि में आयोजित हुआ। शक्ति सिंह आशापुरा ने शिविर का संचालन करते हुए शिविरार्थियों से कहा कि व्यक्ति समाज की मूलभूत इकाई है इसीलिए श्री क्षत्रिय युवक संघ विगत 78 वर्षों से व्यक्ति के चरित्र एवं संस्कार निर्माण के उद्देश्य से ऐसे शिविरों का आयोजन कर रहा है। इन शिविरों में बालकों को सांसारिक कोलाहल से दूर नीरव वातावरण में ले जाकर उच्च मानवीय मूल्यों का अभ्यास करवाया जाता है। शिविर में कानासर, खारा, धोलेरा, बीकानेर शहर, हुसगसर, भुर्ज, सेरूणा, आशापुरा, बेलासर आदि स्थानों के 75 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। वरिष्ठ स्वयंसेवक भागीरथ सिंह सेरूणा एवं बीकानेर संभाग प्रमुख रेवन्त सिंह जाखासर सहयोगियों सहित शिविर में उपस्थित रहे। रणवीर सिंह व छान सिंह कानासर ने ग्रामवासियों के साथ मिलकर व्यवस्था का जिम्मा संभाला। नागौर संभाग में भी 24 से 27 अगस्त की अवधि में दो प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुए। इनमें एक शिविर जायल प्रांत के चाऊ गांव में आयोजित हुआ। शिविर का संचालन जय सिंह सागुबड़ी ने किया। उन्होंने शिविरार्थियों को विदाई देते समय कहा पूज्य तनसिंह जी ने देश के संक्रमण काल मे श्री क्षत्रिय युवक संघ की स्थापना की ताकि आने वाले समय में हम हमारे मूलभूत संस्कारों और परम्परा को विस्मृत न करके हमारे महान पूर्वजों के पदचिह्न पर चलकर एक दृढ समाज और मजबूत राष्ट्र के निर्माण में सहयोगी बनें। हम संसार में भारतीयता का संदेश देते हुए प्राणीमात्र की रक्षा के लिए अपने क्षात्रधर्म का पालन करें। ये सब तभी संभव होगा जब हमारा सतत अभ्यास बना रहे। शिविर में चाऊ, जोधियासी, गंठीलासर, विक्रमसोता, ऊंटवालिया, खेतास, आंवलियासर, जालनियासर, गूगरियाली, गुढ़ा रोहिली आदि गांवों के 195 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। नरेंद्र सिंह चाऊ ने ग्रामवासियों के साथ मिलकर व्यवस्था में सहयोग किया। दूसरा शिविर लाडनूं प्रांत के सुजानगढ़ मण्डल के गेडाप ग्राम में स्थित श्री श्रद्धा विद्या भारती शिक्षण संस्थान में आयोजित हुआ जिसका संचालन विक्रम सिंह ढींगसरी ने किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि वर्तमान समय की यह मांग है कि हम सभी मतभेदों को भुलाकर एक बनें और पूरे समाज को अपना परिवार मानते हुए एक-दूसरे का सहयोग करें। जो समाज एक होगा, संगठित होगा, वही आज के समय में अपना अस्तित्व बचाने में सफल हो सकेगा। शिविर में गेडाप, लिखमनसर, गोंदुसर, बाघसरा, जीली, कातर, आसरासर, टालनियाऊ आदि गांवों के 96 युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। दिलीप सिंह, बजरंग सिंह, लक्ष्मणसिंह, पृथ्वीसिंह आदि ने ग्रामवासियों के साथ मिलकर व्यवस्था में सहयोग किया। जालोर सम्भाग में भी इसी अवधि में दो शिविर आयोजित हुए। भीनमाल प्रांत के धाणसा गांव में स्थित श्री जलन्धरनाथजी मंदिर परिसर में एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ जिसका संचालन गणपत सिंह भंवरानी ने किया। भंवरानी ने शिविरार्थियों से कहा कि हमें हमारे महापुरुषों के बताये मार्ग पर चलने की आवश्यकता है। इन चार दिनों में संघ की सामूहिक संस्कारमयी कर्मप्रणाली के माध्यम से प्रातः जागरण से रात्रि शयन कार्यक्रम तक विभिन्न गतिविधियों के द्वारा आपके भीतर उन्हीं संस्कारों के निर्माण का प्रयास किया गया है जिन संस्कारों ने हमारे पूर्वजों को सभी का आदर्श बनाया था। शिविर में धाणसा, सेरणा, बासड़ा धनजी, सांथु, आकोली, देलदरी, थलवाड़, बागोड़ा, सायला, आकवा, बावतरा, दूदवा, जालोर, आँवलोज, थलूण्डा आदि गांवों के 200 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। दूसरा शिविर पाली प्रांत में सुमेरपुर के निकट स्थित कांबेश्वर महादेव काना कोलर में आयोजित हुआ। शिविर का संचालन खुमान सिंह दुदिया ने किया। उन्होंने शिविर के अंतिम दिन विदाई कार्यक्रम में शिविरार्थियों से कहा कि रावण की सेना राम की सेना से बड़ी थी फिर भी रावण की पराजय हुई क्योंकि वह असत्य के मार्ग पर चल रहा था। ऐसे ही कौरव, कंस आदि की भी पराजय हुई क्योंकि वे अधर्म के मार्ग पर चल रहे थे। उनके पास शक्ति तो थी लेकिन वह तामसिक शक्ति थी जिसका उपयोग उन्होंने दूसरों पर अत्याचार के लिए किया। इसलिए शक्ति का निर्माण जितना आवश्यक है उतना ही आवश्यक उस शक्ति को सतोगुणीय स्वरूप देना भी है। श्री क्षत्रिय युवक संघ के इस शिविर में चार दिनों तक हमने भी ऐसी ही सतोगुणीय शक्ति के निर्माण का कार्य किया है। हमारे पूर्वजों के गुण, जो हमारे रक्त में अभी भी मौजूद हैं, उन पर आई राख को हटाकर उन्हें पुनः प्रज्वलित करने का कार्य श्री क्षत्रिय युवक संघ कर रहा है। शिविर में 130 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शैतान सिंह सेंदला, मंगल सिंह बेड़ा, प्रताप सिंह कोठार, उदय सिंह बेड़ा ने स्थानीय समाजबंधुओं के साथ मिलकर व्यवस्था में सहयोग किया। जयपुर संभाग के टोंक प्रांत

ढूंढ़ा

के राहोली गांव में स्थित राज किड्स एकेडमी में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 24 से 27 अगस्त तक आयोजित हुआ। जयपुर संभाग प्रमुख राम सिंह अकदड़ा ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि अपने कर्त्तव्य को जो भूल जाता है उसका पतन अवश्यंभावी है। श्री क्षत्रिय युवक संघ हमें अपने भुलाए हुए कर्त्तव्य की याद दिला रहा है और उसके पालन के लिए हमें तैयार कर रहा है। उन्होंने कहा कि समाज को कर्त्तव्य का पाठ पढ़ाना ही सच्चा समाज शिक्षण है। शिविर में राहोली, नगर, निवाई, गुंसी, जयपुर आदि स्थानों से 102 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। जय सिंह राहोली, गोविंद सिंह पलेई ने स्थानीय समाजबंधुओं के सहयोग से व्यवस्था का जिम्मा संभाला। बाड़मेर संभाग में बाड़मेर ग्रामीण प्रांत के ढूंढा गांव में स्थित नागणेची माता मंदिर परिसर में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर इसी अवधि में संपन्न हुआ। शिविर का संचालन करते हुए राजेन्द्र सिंह भिंयाड़ ने शिविरार्थियों से कहा कि जो ज्ञान हमारे जीवन व्यवहार में उतरे, वही सार्थक ज्ञान होता है। संघ शिक्षण को भी हमें अपने जीवन व्यवहार में उतारना है जिससे संस्कार निर्माण का यह कार्य सतत रूप से चलता रहे। शिविर में बाहड़राव छात्रावास बाड़मेर, भगवती छात्रावास मारूडी, कृष्णा छात्रावास बाड़मेर, उंडखा, बांदरा आदि स्थानों से 173 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रताप सिंह बांदरा ने स्थानीय समाजबंधुओं के साथ मिलकर व्यवस्था का दायित्व संभाला। जैसलमेर संभाग के रामगढ प्रांत के लीला पारेवर गांव में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर इसी अवधि में आयोजित हुआ। शिविर संचालक महिपाल सिंह तेजमालता ने प्रथम दिन शिविरार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि इन चार दिनों में हम पूज्य तनसिंह द्वारा दिए गए संघदर्शन को अपने जीवन में चरितार्थ करने का अभ्यास करेंगे। समाज में जिस सहयोग और बंधुत्व की भावना को हम विकसित करना चाहते हैं, उस भावना को पहले हमें अपने हृदय में जगाना होगा। यहां हम सामूहिक जीवन जीते हुए उस बंधुत्व और आत्मीयता को अनुभव करेंगे। इसलिए सजग रहकर संघ शिक्षण के सार को ग्रहण करने का प्रयास करें। शिविर में लीला पारेवर, पारेवर, भोजराज की ढाणी, रामगढ़, नगा, सोनू, सेरावा, दामोदरा, दूजासर, खड़ेरो की ढाणी आदि स्थानों के 100 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर के दौरान कृष्ण जन्माष्टमी भी मनाई गई। जैसलमेर संभाग के ही पोकरण प्रांत के मोड़रडी गांव में भी एक चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 24 से 27 अगस्त तक आयोजित हुआ। उम्मेद सिंह बड़ोडा गांव ने शिविर का संचालन करते हुए शिविरार्थियों से कहा कि अनुशासन, एकाग्रता, कष्ट सहिष्णुता, बंधुत्व आदि जिन गुणों का अभ्यास हम इस शिविर में कर रहे हैं वे हमारे जीवन को बदलने वाले गुण हैं। संघ की साधना में हम यदि निरंतर लगे रहें तो हमारे चरित्र में अवश्य निखार आता है। शिविर में मोड़रडी, चौक, सनावड़ा, सांकड़ा, दांतल, झलोड़ा, राजगढ़, आसकन्द्रा, अवाय आदि गांवों के 234 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर के दौरान श्री कृष्ण जन्मोत्सव भी मनाया गया जिसमें वरिष्ठ स्वयंसेवक भवानी सिंह मुंगेरिया सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। शिविरार्थियों द्वारा स्व. मेघ सिंह जी मोड़रडी की छतरी पर जाकर श्रद्धांजलि भी अर्पित की गई। इसी अवधि में शेखावाटी संभाग के चुरू प्रांत के नुवां गांव में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ जिसका संचालन किशन सिंह गौरीसर ने किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ क्षत्रियोचित गुणों यथा - शौर्य, वीरता, सत्यनिष्ठा, कर्तव्यपरायणता, दानशीलता, ईश्वरीय भाव, धैर्य आदि का सृजन व दुर्गुणों यथा - असत्य, चोरी, बेईमानी, अहंकार, दुर्विचार आदि का नाश करने की पाठशाला है। यह सब संघ की सामूहिक संस्कारमयी कर्मप्रणाली में बार-बार अभ्यास के माध्यम से ही संभव है। इन्हीं गुणों के द्वारा हमारे पूर्वजों ने हर क्षेत्र में आदर्श स्थापित किए और त्याग व बलिदान के मार्ग पर चलकर भारतीय संस्कृति व परम्परा को अक्षुण्ण रखा। शिविर में नुवां, बण्डवा, पायली, बीनादेसर, गौरीसर, फ्रांसा, रतनगढ़, लूणासर, दस्सूसर, लधासर, मितासर, आसलसर, दुलरासर, टीडियासर, हुडेरा, तोलियासर, भोजासर, धिरासर, आसुसर, गोपालपुर (झुंझुनू), ठठावता, तोगावास आदि गांवों के 160 युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। वरिष्ठ स्वयंसेवक सुमेर सिंह गुढ़ा भी सहयोगियों सहित शिविर में उपस्थित रहे। समस्त ग्रामवासियों ने मिलकर व्यवस्था में सहयोग किया। अजमेर प्रांत में सावर क्षेत्र के बाजटा गांव में स्थित निया रानी माताजी मंदिर परिसर में भी 23 से 26 अगस्त तक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ। प्रांत प्रमुख विजयराज सिंह जालियां ने शिविर का संचालन करते हुए शिविरार्थियों से कहा कि शिविर में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से हमारे शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास का शिक्षण दिया जाता है। यहां का हर कार्यक्रम हमारे व्यक्तित्व को श्रेष्ठ बनाने के लिए है इसलिए पूरे मनोयोग से शिविर की प्रत्येक गतिविधि में भाग लें। उन्होंने कहा कि यहां हम क्षत्रियोचित गुणों का अर्जन करें जिससे हम समाज और राष्ट्र के लिए उपयोगी सिद्ध हों, यही हमारे जीवन का लक्ष्य है। शिविर में सावर, बिसुंदनी, घटियाली, नाड़ी, सुंदरपुरा, कालेड़ा कंवर जी, देवखेड़ा, अलाबू आदि गांवों के 40 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। स्थानीय समाजबंधुओ ने मिलकर व्यवस्था में सहयोग किया। उत्तर गुजरात संभाग के बनासकांठा प्रांत के अनापुर छोटा गांव में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 24 से 27 अगस्त तक आयोजित हुआ। विक्रमसिंह कमाणा ने शिविर का संचालन करते हुए शिविरार्थियों से कहा कि संसार में सत और तम का संघर्ष सदैव चलता रहता है। **(शेष पृष्ठ 7 पर)**

चाऊ

सौभाग्य सिंह जी देवड़ा

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

श्री सौभाग्य सिंह जी देवड़ा

ठिकाना- कैलाशनगर (सिरोही) के

राजस्थान राजपूत परिषद मुंबई,

महाराष्ट्र के अध्यक्ष

बनने पर

हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

आपकी अध्यक्षता में **43वां दशहरा स्नेह सम्मेलन**

20 अक्टूबर को सेंटर पार्क लॉन एंड बैंक्वेट, एसके स्टोन के पीछे, मीरा भायंदर रोड, मीरा रोड (पूर्व) पर मनाया जाएगा।

शुभेच्छु :

ईश्वर सिंह जागसा

सुमेर सिंह करडा

युवराज सिंह मगरतलाव

राजकुमार सिंह कैलाशनगर

संपादकीय

सर्वजन हिताय और स्वान्तः सुखाय के मिलन से घटेगा आदर्श

परिवारवाद, जातिवाद, वर्गवाद, सम्प्रदायवाद, नस्लवाद, राष्ट्रवाद आदि जैसे अनेकों वाद समस्या के रूप में मानव जाति के सामने आज के समय में उपस्थित हैं। ये सभी समूह को स्वार्थपूर्ति और अहंकार की तुष्टि का साधन बनाने वाले समूहवाद के ही अलग-अलग रूप हैं। किसी भी समूह का निर्माण समूह भावना से होता है और समूह भावना का यह प्राथमिक लक्षण है कि उस समूह के सभी सदस्य अपने सामूहिक हितों के लिए मिलकर प्रयत्न करते हैं। लेकिन जब किसी विशिष्ट समूह के सदस्यों द्वारा उक्त समूह के हितों को अन्य समूहों के हितों की अवहेलना करके अथवा उनको हानि पहुंचाकर भी पूरा करने का प्रयास किया जाता है तब यह प्रयत्न समूहवाद में बदल जाता है। जहां समूह भावना अपने सहयोगी स्वरूप के कारण एक सकारात्मक तत्व है वहीं समूहवाद में बदलने पर यही भावना नकारात्मक स्वरूप धारण कर लेती है जो व्यापक मानवीय मूल्यों और सामाजिक सद्भावना पर कुठाराघात करने वाली बन जाती है। हम भी व्यक्ति के रूप में परिवार और जाति से लेकर राष्ट्र तक अनेकों प्रकार के समूहों के अंग बनते हैं और इसलिए जाने-अनजाने विभिन्न प्रकार के समूहवादों में फंस जाने की संभावना से हम भी अछूते नहीं हैं। अतः हमें इसके प्रति सावधान होकर समूह और उसकी शक्ति को सही परिप्रेक्ष्य में समझना आवश्यक है।

आज के समय में सभी ओर ऐसी बातें जोर-शोर से कही जाती हैं कि हमें केवल अपनी जाति के हितों की पूर्ति के लिए चिंतित और प्रयत्नरत रहना चाहिए और अन्य किसी भी समूह चाहे वह अन्य समाज हो, राष्ट्र हो अथवा पूरे संसार की बात हो, उनके हितों की परवाह नहीं करनी चाहिए। हमारा दायित्व केवल अपनी जाति के प्रति है और उसके अतिरिक्त किसी भी अन्य समूह का हितचिंतन हमारा दायित्व नहीं है, ऐसा कहने वालों की संख्या प्रत्येक जाति में निरंतर बढ़ रही है और इसके साथ ही जातीय विद्वेष भी निरंतर बढ़ता जा रहा है। लेकिन ऐसे विचारों के प्रसारकर्ता इस बात को भूल जाते हैं कि कोई भी जातीय समूह अपने आप में कोई स्वतंत्र अस्तित्व नहीं है बल्कि परिवार से लेकर राष्ट्र तक के विभिन्न समूहों से वे किसी न किसी स्तर पर जुड़े हुए होते हैं और इन संबंधों की सर्वथा उपेक्षा करना न तो संभव है न उचित ही। इसी समस्या का दूसरा पक्ष यह भी है कि जिस प्रकार जातिवाद के समर्थक अपनी जाति के हितों के लिए राष्ट्र और संसार आदि के हित की बात को नकार देते हैं उसी प्रकार किसी पंथ, राष्ट्र अथवा पूरे संसार के हित के लिए कार्य करने का दावा करने वाले अनेक व्यक्ति अथवा संस्थाएं भी अपने इस उद्देश्य के लिए जाति आदि अन्य समूहों के हितों को उपेक्षित करने को उचित ठहराते हैं। ऐसी अव्यावहारिक बात करते हुए वे भी यह भूल जाते हैं कि जाति आदि समूह भी वृहद राष्ट्रीय और सांसारिक समूह के अंग हैं। जिस प्रकार शरीर को चोट लगने अथवा पीड़ा होने पर पूरा शरीर पीड़ित होता है उसी प्रकार किसी एक जाति अथवा समूह के पीड़ित होने पर पूरा राष्ट्र भी उस पीड़ा से अपने आप को निरपेक्ष बनाए नहीं रख सकता। वास्तव में उपरोक्त दोनों ही प्रकार के अतिवादी अपने अतिवाद को थोपने के प्रयास में दो महत्वपूर्ण सत्यों की अवहेलना करते हैं। पहला तो यह कि कोई भी व्यक्ति मात्र एक ही समूह का अंग नहीं होता बल्कि प्रत्येक व्यक्ति एक ही साथ अनेकों समूहों का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में अंग होता है। दूसरा यह कि मनुष्य अपने मूल रूप में नकारात्मक नहीं है और वह स्वभावतः अपने अस्तित्व को विस्तारित करने का आकांक्षी है न कि संकुचित बनाने का। मानव चित्त की यह आकांक्षा बहुत गहरी और व्यापक है जिसे लंबे समय तक उपेक्षित और दमित नहीं रखा जा सकता। अपने अस्तित्व को विस्तारित करने की इस आकांक्षा की उपस्थिति से ही भारत में सर्वजन हिताय और वसुधैव कुटुंबकम् जैसी संकल्पनाएं जन्मीं। पश्चिम में भी उपयोगितावाद के दर्शन (यूटिलिटेरियन फिलोसोफी) और व्यापक हित (ग्रेटर गुड) की अवधारणा के विकास के मूल में भी मानव चित्त की अपने अस्तित्व के अनंत विस्तार की दिव्य आकांक्षा ही है। यदि विस्तार की इस आकांक्षा के और गहरे में उतरा जाए तो अध्यात्म का क्षेत्र प्रारंभ होता है और तब यही आकांक्षा 'स्वान्तः सुखाय' की खोज के रूप में प्रकट होती है। यद्यपि ये खोज जीवनव्यापी साधना का क्षेत्र है और केवल शाब्दिक चर्चा या व्याख्या इसमें अधिक प्रभावकारी नहीं है, फिर भी गहरे चिंतन द्वारा यह तो स्पष्ट होता ही है कि स्वान्तः सुखाय और सर्वजन हिताय के सिद्धांत दो ऐसे छोर हैं जिनके मिलन पर ही व्यक्ति और समाज के विकास का चरम घट सकता है। इसलिए इन दोनों में से किसी एक की भी अवहेलना व्यक्ति और समाज निर्माण के कार्य में नहीं की जा सकती।

इन दोनों छोरों का मिलन तभी हो सकता है जब व्यक्ति अपने अस्तित्व के विस्तार की इस यात्रा पर क्रमशः और निरंतर गतिमान रहे। इसलिए मानव को समूह में नियोजित करने वाली कोई भी व्यवस्था वास्तविक अर्थों में तभी सफल हो सकती है जब वह व्यक्ति को इस यात्रा के लिए प्रोत्साहित करे और उसके मार्ग को सरल एवं सुगम बनाने में योगदान दें। ऐसा करके वह व्यवस्था समूह की शक्ति को सकारात्मक स्वरूप देकर उसे व्यक्ति और समाज के विकास में प्रयुक्त करने का मार्ग प्रशस्त करती है। वहीं, जब भी कोई व्यवस्था विस्तार की इस यात्रा में आने वाले किसी पड़ाव को ही अंतिम लक्ष्य बताकर व्यक्ति के विकास को बाधित करती है तो वह समूहवाद के रूप में समाज को विखंडित करने वाली नकारात्मकता की जन्मदाता बनती है। दूसरी ओर, यदि कोई व्यवस्था केवल अंतिम लक्ष्य को ही सत्य बताकर बीच के पड़ावों को असत्य और अवांछित घोषित करने का प्रयत्न करती है तो वह अव्यावहारिक और अप्रासंगिक बन जाएगी। इसीलिए व्यक्ति और समाज के विकास का निरापद मार्ग यही है कि व्यक्ति को संकुचित बनाने की अपेक्षा उसे अपने दायरों को विस्तारित करना सिखाया जाए। व्यक्ति से परिवार, परिवार से समाज, समाज से राष्ट्र, राष्ट्र से पूरा संसार और उससे भी आगे समस्त अस्तित्व के कारण रूप परमेश्वर के साथ एकाकार होने तक की यात्रा ही वास्तविक विकास यात्रा है। अपने सभी दायित्वों को पूरा करते हुए जीवन के अंतिम लक्ष्य को प्राप्त करने तक की इस यात्रा में ही सर्वजन हिताय और स्वान्तः सुखाय की अवधारणाएं साकार हो सकती हैं। इसी कारण से श्री क्षत्रिय युवक संघ किसी प्रकार के समूह वाद की नहीं बल्कि प्रत्येक समूह का अंग रहते हुए उस समूह के प्रति अपने दायित्व के बोध और उसका निर्वहन करते हुए अपने दायरे को निरंतर और क्रमिक रूप से बढ़ाने की बात करता है। व्यष्टि से समष्टि और समष्टि से परमेष्टि तक की यात्रा में अपने जीवन को सर्वजन हिताय बनाकर जीवन के अंतिम लक्ष्य को पाकर जीवन को सच्चे अर्थ में स्वान्तः सुखाय बनाने की बात करता है। वह उस क्षात्रधर्म की बात करता है जिसके पालन में अपने परिवार के पोषण, जाति के स्वाभिमान, राष्ट्र के रक्षण, प्राणीमात्र के त्राण और परमसत्ता की उपासना के समस्त दायित्व सहज रूप से पूरे होते हैं। इसलिए आएं, हम भी समूह वाद में फंसकर अपनी ऊर्जा को विखंडनकारी शक्तियों के अधीन करने की अपेक्षा श्री क्षत्रिय युवक संघ की प्रगतिगामी सामूहिकता के अंग बनकर हमारे समस्त दायित्वों के पूंजीभूत स्वरूप क्षात्रधर्म के पालन में प्रवृत्त हों।

खानपुर में बालिका प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर संपन्न

नागौर संभाग के मकराना प्रांत के खानपुर गांव में श्री जगदंबा सेवा समिति परिसर में श्री क्षत्रिय युवक संघ का चार दिवसीय बालिका प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 07 से 10 सितंबर तक आयोजित हुआ। साधना संगम संस्थान के तत्वावधान में आयोजित इस शिविर का संचालन उषा कंवर पाटोदा ने किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि किसी भी बालक की प्रथम शिक्षक उसकी माता ही होती है। जिन्हें हम राष्ट्रनायक कहते हैं, जिन्हें हम आदर्श के रूप में सम्मान देते हैं उन सभी महापुरुषों का निर्माण करने में उनकी माताओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। इसलिए संस्कारित माता का निर्माण समाज को संस्कारित करने के लिए पहली आवश्यकता है। श्री क्षत्रिय युवक संघ इसी उद्देश्य से इन मातृशक्ति शिविरों का आयोजन करके समाज की बालिकाओं में संस्कार निर्माण का कार्य कर रहा है क्योंकि आज की बालिका ही कल की माता बनेगी। उन्होंने

मदालसा, तारामती, सीता, कुंती, पद्मावती, जीजाबाई, मीराबाई, जयवंताबाई, नेतकंवर, हाड़ी रानी जैसी आदर्श नारियों के जीवन चरित्र को जानने और उनसे प्रेरणा लेने की बात कही। शिविर में मकराना, परबतसर, कुचामन और नावां क्षेत्र की 100 बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर के अंतिम दिन मातृशक्ति स्नेहमिलन भी रखा गया जिसमें निकटवर्ती गांवों से महिलाएं शामिल हुई। संभाग प्रमुख शिंभू सिंह आसरवा सहयोगियों सहित इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। श्री जगदंबा सेवा समिति के कार्यकर्ताओं ने व्यवस्था में सहयोग किया।

आयुवान निकेतन (कुचामन सिटी) में बाल शिविर संपन्न

नागौर संभाग में कुचामन प्रांत में कुचामन सिटी स्थित संभागीय कार्यालय आयुवान निकेतन में श्री क्षत्रिय युवक संघ का दो दिवसीय बाल शिविर 31 अगस्त से 01 सितंबर तक आयोजित

हुआ। साधना संगम संस्थान के तत्वावधान में आयोजित इस शिविर का संचालन सुनील सिंह रसाल ने किया। शिविर में बालकों को श्री क्षत्रिय युवक संघ का प्राथमिक परिचय सहगीत, खेल आदि गतिविधियों के माध्यम से करवाया गया एवं सामूहिक जीवन जीने का अभ्यास कराया गया। शिविर में पांचवी कक्षा तक के 70 बालकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

सती मोती कंवर के स्मारक पर मातृशक्ति ने किया यज्ञ

श्री क्षत्रिय युवक संघ के जैसलमेर संभाग में चांधन प्रांत के बडोड़ा गांव में स्थित सती मोती कंवर जी के स्मारक पर भादवा बदी षष्ठी (25 अगस्त) को मातृशक्ति द्वारा यज्ञ कर-के अपनी कृतज्ञता व श्रद्धा प्रकट की गई। इस अवसर पर मातृशक्ति के साथ साथ उपस्थित गांव के युवाओं व बुजुर्गों ने भी यज्ञ में आहुतियां देकर सती के प्रति श्रद्धा प्रकट की।

सती परिचय - सती मोती कंवर का जन्म बडोड़ा गांव के संस्थापक बिहारीदास जी की सातवीं पीढ़ी में सुल्तान सिंह के पुत्र लख सिंह की पुत्री के रुप में हुआ। आपकी माताजी का नाम अभय कंवर सोढी जी था व आपका ननिहाल पौछीना (जैसलमेर) में था। आपका बचपन बडोड़ा गांव व सेतरावा (जोधपुर) में बीता। आपका विवाह ठिकाना - नगर (बालोतरा) के रावत हुकुम सिंह जी के साथ सम्पन्न हुआ था। विक्रम संवत 1910 के आसोज बदी षष्ठी को हुकम सिंह जी के स्वर्गवास होने पर आपने परिवार वालों को अपनी दासी टीपों की भलावण देकर स्वयं ने ग्रामवासियों के लिए हलवा तैयार किया व सोलह श्रृंगार करके पति हुकुम सिंह जी के साथ सती हुए।

शिविर सूचना

क्र.सं.	शिविर	समय	स्थान मार्ग आदि
01.	प्रा.प्र.शि.	28.09.2024 से 30.09.2024 तक	मालजिभी, पिपरिया, जामकडोरणा, राजकोट।
02.	प्रा.प्र.शि. (बालिका)	28.09.2024 से 30.09.2024 तक	थोरड़ी, जामकडोरणा, राजकोट।
03.	प्रा.प्र.शि.	30.09.2024 से 03.10.2024 तक	गजसिंह का गांव, जैसलमेर।
04.	प्रा.प्र.शि.	10.10.2024 से 13.10.2024 तक	टावरीवाला, जैसलमर।
05.	प्रा.प्र.शि. (बालिका)	10.10.2024 से 13.10.2024 तक	पीलवा, फलोदी।
06.	प्रा.प्र.शि.	10.10.2024 से 13.10.2024 तक	कुड़ (जोधपुर)। **(संशोधित समय)**
07.	प्रा.प्र.शि.	10.10.2024 से 13.10.2024 तक	विश्वकर्मा नगर, जोधपुर।
08.	प्रा.प्र.शि.	10.10.2024 से 13.10.2024 तक	गेलासर (नागौर)।
09.	प्रा.प्र.शि.	10.10.2024 से 13.10.2024 तक	पहाड़पुरा, जसवंतपुरा, जालोर। **सम्पर्क सूत्र:** प्रवीणसिंह सुरावा-96600-80210 उत्तमसिंह पहाड़पुरा-80584-24313 बहादुरसिंह पहाड़पुरा-95872-11121
10.	प्रा.प्र.शि. (बालिका)	11.10.2024 से 14.10.2024 तक	आलोक, आश्रम (बाड़मेर)।
11.	मा.प्र.शि.	24.10.2024 से 30.10.2024 तक	पांचौटा, श्री नागणेचीजी माताजी मंदिर, तहसील-आहोर। **सम्पर्क सूत्र:** मदनसिंह थूंबा-94134-95628, खुमान सिंह दूदिया- 9982667270 देवीसिंह प्रतापगढ़-9001119848
12.	मा.प्र.शि.	24.10.2024 से 30.10.2024 तक	सनावड़ा, जैसलमेर।
13.	मा.प्र.शि.	25.10.2024 से 31.10.2024 तक	कल्याणपुर, बालोतरा।
14.	प्रा.प्र.शि.	26.10.2024 से 29.10.2024 तक	चाइल्ड हेवन पब्लिक स्कूल, रायकी, आसपुर
15.	मा.प्र.शि.	26.10.2024 से 31.10.2024 तक	दिवराला, अणंतसिंह राजपूत सभा भवन, तहसील. श्रीमोधपुर नीमकाथाना। श्रीमाधोपुर, रींगस, शाहपुरा, सीकर, चूरू, अलवर दांतारामगढ़, परबतसिर, मेड़ता से बस उपलब्ध। **सम्पर्क सूत्र:** जयसिंह दिवराला 94147-82772, विक्रमसिंह दिवराला 80589-35460
16.	प्रा.प्र.शि.	03.11.2024 से 06.11.2024 तक	बडोड़ा गांव, जैसलमेर।
17.	मा.प्र.शि.	04.11.2024 से 10.11.2024 तक	मालजीडी, पीपड़िया, तहसील-जामकण्डोरना राजकोट।
18.	मा.प्र.शि. बालिका	05.11.2024 से 11.11.2024 तक	थोरड़ी, तहसील, जामकण्डोरना, राजकोट।
19.	प्रा.प्र.शि. बालिका	11.11.2024 से 14.11.2024 तक	कालेवा, बालोतरा।

गजेन्द्र सिंह आऊ, शिविर कार्यालय प्रमुख

साऊथ एशिया ओपन कराटे कॉम्पिटिशन में हीया शेखावत ने जीता रजत पदक

नेपाल गोजू रियू कराटे एसोसिएशन के तत्वावधान में साऊथ एशिया ओपन इंटरनेशनल कराटे चैम्पियनशिप 2024 का आयोजन नेपाल की राजधानी काठमांडू के दशरथ स्टेडियम में 28-29 अगस्त को हुआ। प्रतियोगिता में जयपुर की नवीन स्पोर्ट्स एकेडमी की ओर से हीया शेखावत ने सब जुनियर गर्ल्स 6 वर्षीय वर्ग में भाग लेते हुए रजत पदक जीता। भारत की ओर से 61 खिलाड़ियों ने इस चैंपियनशिप में भाग लिया था। लिटिल मेडल गर्ल नाम से पहचान बना चुकी हीया शेखावत इससे पूर्व जिला एवं राज्य स्तर पर चार स्वर्ण पदक और राष्ट्रीय स्तर पर एक कांस्य पदक जीत चुकी है।

रोहित सिंह राजावत का अंडर-19 क्रिकेट टीम में चयन

मध्य प्रदेश के रोहित सिंह राजावत का भारत की अंडर-19 क्रिकेट टीम में चयन हुआ है। भिंड जिले के बीहड़ क्षेत्र के जमैह गांव के मूल निवासी रोहित ऑफ स्पिनर के रूप में 21 सितंबर से ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध तीन मैच की श्रृंखला खेलने वाली अंडर-19 भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य होंगे। सामान्य कृषक परिवार से आने वाले रोहित भिंड की जिला टीम और मध्यप्रदेश की राज्य टीम से भी अंडर-16 और अंडर-19 में खेल चुके हैं।

जयपुर में श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की भ्रमण कार्यशाला संपन्न

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की जयपुर जिला टीम की एक दिवसीय भ्रमण कार्यशाला 08 सितंबर को आयोजित हुई जिसमें जयपुर के जयगढ़ और नाहरगढ़ किले का भ्रमण किया गया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने इन ऐतिहासिक स्थलों को एक पर्यटक की दृष्टि से देखने की बजाय अपने पूर्वजों के पुरुषार्थ से बनाई गई धरोहर के रूप में देखने एवं इनसे अपने संबंध की अनुभूति करने की बात कही। उन्होंने कहा कि अपने परिवार और समाज का अंग बना रहना हमारी अपनी आवश्यकता है। श्री क्षत्रिय युवक संघ इस आवश्यकता की अनुभूति करवाकर हमारे में इनके प्रति दायित्व बोध जागृत करता है। श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन हमारे जीवन में संघ का महत्व जागृत कर उससे जुड़ने की प्रेरणा प्रदान करता है। सभी सहयोगियों ने दोपहर का भोजन एक साथ किया एवं प्रत्येक माह इस तरह की भ्रमण कार्यशाला का आयोजन करने का निर्णय लिया जिससे आपसी समन्वय, सहयोग एवं अपनत्व में वृद्धि हो। भ्रमण कार्यशाला में श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के जयपुर जिला प्रभारी दीपेंद्र सिंह रोजदा, देवेंद्र सिंह बुटाटी, प्रताप सिंह टटेरा, सहदेव सिंह घोड़ीवारा सहित विभिन्न व्यवसायों एवं राजकीय सेवाओं से जुड़े 30 युवाओं ने भाग लिया।

लखतर (गुजरात) में शाखा मिलन कार्यक्रम का आयोजन

गुजरात में गोहिलवाड़ संभाग के झालावाड़ प्रांत में गेधला हनुमानजी, लखतर में 1 सितंबर को शाखा मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। झालावाड़ प्रांत प्रमुख छनूभा पछैगाम ने कार्यक्रम में उपस्थित स्वयंसेवकों से संवाद करते हुए शाखा का महत्व बताया एवं आदर्श शाखा, शाखा के दायित्व, शाखा के घटक आदि बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान आगामी दिनों में तावी में होने वाले प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर की तैयारी पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में गोढ़वाणा, डेरवाला, तावी, ओलक, जमर, तनमनिया और सुरेंद्रनगर शाखाओं के स्वयंसेवक एवं स्थानीय समाजबंधुओ सहित 125 व्यक्ति उपस्थित रहे। घनश्याम सिंह डेरवाला, यशवंत सिंह तावी, वनराज सिंह ओलक ने स्थानीय समाजबंधुओं के सहयोग से व्यवस्था का दायित्व संभाला।

जोधपुर संभाग में एक दिवसीय शाखा प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

जोधपुर संभाग में श्री क्षत्रिय युवक संघ की एक दिवसीय शाखा प्रशिक्षण कार्यशाला सेतरावा गांव में स्थित राव देवराज जी के स्मारक पर 1 सितम्बर को आयोजित हुई। कार्यशाला में केन्द्रीय शाखा विस्तार प्रभारी (राजस्थान) महेन्द्र सिंह गुजरावास ने शाखा को रोचक, नियमित और निरंतर बनाने के उपायों पर चर्चा करते हुए कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ द्वारा यह वर्ष शाखा वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। शाखा संघ की सामूहिक संस्कारमयी कर्मप्रणाली की प्रथम सीढ़ी है जिसमें स्वयंसेवक संघ के मूल दर्शन को आत्मसात करने का अभ्यास करते हैं। सभी शाखाओं के कार्यक्रम और शिक्षण में एकरूपता रहे, इसी उद्देश्य से इन कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला में 13 से 16 सितंबर तक जोधपुर संभाग में सोलंकिया तला, मोटाई और बालरवा में आयोजित होने वाले प्राथमिक प्रशिक्षण शिविरों के संबंध में भी चर्चा की गई। कार्यशाला में संभाग के सभी प्रांतों में लगने वाली शाखाओं से 100 शाखा शिक्षण प्रमुखों ने भाग लिया।

बेंगलुरु में मनाई क्षत्रिय महापुरुषों की जयंती

कर्नाटक राज्य के बेंगलुरु में राणासिंहपेट में स्थित चामुंडा माताजी मंदिर में 8 सितंबर को आदर्श क्षत्रिय महापुरुषों की जयंती सामूहिक रूप में शाखा स्तर पर मनाई गई जिसमें लोक देवता गोगाजी चौहान, पाबूजी राठौड़, बाबा रामदेव तंवर एवं जैता जी राठौड़ को पुष्पांजलि अर्पित की गई एवं उनके जीवन चरित्र के बारे में बताया गया। कार्यक्रम के दौरान पुणे में आयोजित होने वाले प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर के संबंध में भी चर्चा की गई।

जयपुर, निवाई एवं पुणे में शाखा भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन

श्री क्षत्रिय युवक संघ के जयपुर संभाग की शाखाओं का एक दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम 8 सितम्बर को रखा गया जिसमें संभाग की विभिन्न शाखाओं के 100 स्वयंसेवक शामिल हुए। सभी स्वयंसेवक पापड़ के हनुमान जी स्थान पर पहुंचे जहां सभी ने झरने में स्नान किया। सभी ने बारिश में भीगते हुए सहगीतों का आनंद लिया, सामूहिक खेल खेले एवं आत्मीयता के वातावरण में संघदर्शन पर चर्चा की। 8 सितंबर को ही टोंक प्रांत की निवाई, प्लई और राहोली शाखाओं द्वारा निवाई में परिवारिक भ्रमण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। पुणे प्रांत की शाखाओं द्वारा भी एक दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम 1 सितंबर को रखा गया जिसमें स्वयंसेवकों द्वारा पार्वती पहाड़ी, देवदेवेश्वर मंदिर का भ्रमण किया गया।

श्री क्षत्रिय सभा केकड़ी की बैठक संपन्न

श्री क्षत्रिय सभा केकड़ी के 15 सितंबर को आयोजित होने वाले त्रिवार्षिक चुनावों की पूर्व तैयारी बैठक 8 सितंबर को केकड़ी में आयोजित हुई। बैठक के दौरान दशरथ सिंह भराई एवं विजेंद्र प्रताप सिंह साकरिया को चुनावी प्रक्रिया संपन्न कराने हेतु पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया। चुनावों का आयोजन श्री जगदंबा छात्रावास, केकड़ी में होगा जहां आमसभा में श्री क्षत्रिय सभा केकड़ी के अगले अध्यक्ष का चुनाव किया जाएगा। बैठक में सभा के वर्तमान अध्यक्ष नरपत सिंह गुलगांव, भूपेन्द्र सिंह सावर सहित अनेकों सहयोगी उपस्थित रहे।

ओलंपियन महेश्वरी चौहान का किया सम्मान

हाल ही में पेरिस में संपन्न हुए ओलंपिक खेलों में स्कीट शूटिंग प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली जालोर के सियाणा गांव की निवासी महेश्वरी चौहान के सियाणा पहुंचने पर बोडा पट्टा के राजपूत समाज द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। नबी गांव के सिरोसी माताजी मंदिर प्रांगण में 29 अगस्त को आयोजित कार्यक्रम में विधाता पब्लिक स्कूल चांदणा की बालिकाओं द्वारा महेश्वरी चौहान का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। समाजबंधुओ द्वारा माताजी की तस्वीर एवं तलवार भेंटकर चौहान का सम्मान किया गया। महेश्वरी ने सभी का आभार प्रकट किया एवं आगे भी अपने खेल से समाज को गौरवान्वित करने की बात कही। प्रदीप सिंह सियाणा ने बोडा पट्टे के बालक-बालिकाओं को निशानेबाजी के खेल में सभी प्रकार का सहयोग करने एवं क्षेत्र में एयर पिस्टल रेंज बनाने हेतु प्रयास करने की बात कही। अमर सिंह चांदणा ने आगामी वार्षिकोत्सव में बोड़ा पट्टा के प्रतिभावान चौहान बालक-बालिकाओं के उत्साहवर्धन हेतु प्रतिभा सम्मान समारोह के आयोजन का प्रस्ताव रखा। कार्यक्रम का संचालन शांतिलाल भट्ट ने किया। कार्यक्रम के अंत में स्नेह भोज भी रखा गया।

जयपुर में समाज रत्न सम्मान समारोह का आयोजन

जयपुर स्थित बिड़ला ऑडिटोरियम में 27 अगस्त को समाज रत्न सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। स्वर्गीय लोकेंद्र सिंह कालवी की जयंती के उपलक्ष में श्री राजपूत करणी सेना द्वारा आयोजित इस समारोह में राजपूत समाज के जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, खेल, मीडिया, उद्योग, कृषि, फिल्म आदि विविध क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राजपूत समाज सभी को साथ लेकर चलने वाला समाज है। हमारे पूर्वजों का देश की संस्कृति और धर्म की रक्षा में बहुत बड़ा योगदान रहा है। पर्यटन के क्षेत्र में भी सबसे बड़ा योगदान क्षत्रिय समाज का है। इसलिए हमें अपने महत्व को समझ कर सभी को साथ लेते हुए वर्तमान व्यवस्था में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने समाज में बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने की भी बात कही। राजस्थान विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि राजनीतिक क्षेत्र में हमारा घटता हुआ प्रतिनिधित्व चिंता का विषय है। प्रथम विधानसभा में हमारे समाज के विधायकों की संख्या 62 थी जो अब घटकर 20 रह गई है। इस स्थिति को बदलने के लिए हमें वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप अपने आप को ढालना होगा और संगठित होकर रहना होगा। पूर्व सांसद आनंद मोहन और पूर्व विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया और समाज में एकता लाने की बात कही। प्रताप सिंह कालवी ने सभी का आभार व्यक्त किया। जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह, हवामहल विधायक बालमुकुंद आचार्य सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

रामपुरिया एवं डगलां का खेड़ा में विशेष शाखाओं का आयोजन

श्री क्षत्रिय युवक संघ की विशेष साप्ताहिक शाखा एवं सामूहिक यज्ञ का आयोजन चित्तौड़गढ़ जिले की राशमी तहसील में रामपुरिया गांव में स्थित स्व. डॉ. हरि सिंह जी के फार्म हाउस पर 1 सितंबर को हुआ। संघ के केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में रामपुरिया में 13 से 16 सितंबर तक आयोजित होने वाले बालकों के प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर एवं गंगरार में होने वाले बालिका प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर की तैयारियों पर भी चर्चा की गई। 8 सितंबर को चित्तौड़गढ के डगलां का खेड़ा गांव के महेंद्र सिंह भचेड़ी के निवास पर भी सामूहिक यज्ञ एवं विशेष शाखा का आयोजन किया गया। जोगेंद्र सिंह छोटा खेड़ा ने संघ व पूज्य तनसिंह जी का परिचय दिया। गंगा सिंह साजियाली, बालू सिंह जगपुरा, अजयपाल सिंह चरपोटिया सहित अनेकों समाजबंधु कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

(पृष्ठ एक का शेष)

भवानी..

समारोह के अध्यक्ष घनश्याम सिंह राठौड़ ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक माननीय महावीर सिंह सरवड़ी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। गुलाब सिंह मेड़तिया, सचिव शिक्षा समिति ने सभी का स्वागत किया। समारोह में भवानी निकेतन शिक्षा समिति पदाधिकारियों के साथ-साथ, राजपूत सभा अध्यक्ष राम सिंह चंदलाई, स्थानीय पार्षद, समाज के गणमान्य नागरिक व संस्था के छात्र-छात्राएँ शामिल हुए।

नोखा...

भानु प्रताप सिंह लोहा, सेजल कँवर शेखावत, शीशपाल सिंह सोढ़ा सचियापुरा, देवेंद्र सिंह सूरतगढ़, महिपाल सिंह सहनाली, भीख सिंह रोड़ा, रणविजय सिंह थेलासर, फतेह सिंह खिंवज, अर्जुन सिंह डेह, शिवेंद्र सिंह दावा, दिपेन्द्र सिंह नोखागाँव सहित अनेकों वक्ताओं ने युवाओं से अपने अनुभव साझा किए और अपने लक्ष्य की ओर निरंतर बढ़ने की बात कही। श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के यशवंत सिंह मिगसरिया ने ईडब्ल्यूएस आरक्षण के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में ढिंगसरी निवासी फुटबाल कोच विक्रम सिंह राजवी को भी सम्मानित किया गया जिनके द्वारा प्रशिक्षित बालिकाओं ने 9 अगस्त को राजस्थान की अंडर 17 बालिका वर्ग की फुटबाल टीम द्वारा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता जीतने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। आनंद सिंह रोड़ा एवं आयोजन समिति के उम्मेद सिंह नोखागांव, करणी सिंह भेलू, प्रेम सिंह कांकरिया, इंद्र सिंह नांदड़ा, जितेंद्र सिंह चरकड़ा, मान सिंह चरकडा, भंवर सिंह मोरखाना, महेंद्र सिंह शोभाणा, जोगेंद्र सिंह भादला आदि ने व्यवस्था में सहयोग किया। कार्यक्रम का संचालन राजेंद्र सिंह दावा और करणी सिंह भेलू ने किया।

(पृष्ठ दो का शेष)

निरंतर जारी...इन दोनों में से जिसके साथ रजोगुण जुड़ जाता है उसी की विजय होती है। राजपूत रजोगुण का प्रतिनिधि है। श्री क्षत्रिय युवक संघ इस रजशक्ति को सतोगुण के साथ जोड़ने का कार्य कर रहा है। शिविर में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से 134 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर के दौरान 26 अगस्त को स्नेहमिलन भी रखा गया जिसमें आसपास के गांवों से सैकड़ों समाजबंधु मातृशक्ति सहित शामिल हुए। मध्य गुजरात संभाग के अरवल्ली प्रांत के मालपुर गांव में स्थित सनराइज विद्यालय परिसर में भी एक चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर इसी अवधि में संपन्न हुआ। अनिरुद्ध सिंह काणेटी ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने प्रथम दिन शिविरार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि हमने अपने जिन क्षत्रियोचित गुणों को खो दिया है, उन्हें वापिस पाने के लिए यहां खेलों और अन्य गतिविधियों के द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। यहां की छोटी-छोटी बातों में गहरे सिद्धांत छिपे हुए हैं जिन्हें धारण करने से हमारा जीवन महान बन सकता है। शिविर में मालपुर, कांभरोड, सुनोख, मंगलपुर, मालजीना, पहाड़िया आदि गांवों के 70 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। 26 अगस्त को शिविर में श्री कृष्ण जन्माष्टमी भी मनाई गई। डॉ नागेंद्रसिंह गैड ने मालपुर गांव के समाजबंधुओं के साथ मिलकर व्यवस्था का दायित्व संभाला।

हरियाणा विधानसभा चुनावों में समाज की उपेक्षा पर जताया आक्रोश

हरियाणा विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की ओर से टिकट वितरण में राजपूत समाज की उपेक्षा पर 5 सितंबर को महेंद्रगढ़ जिले के सतनाली गांव में समाजबंधुओं द्वारा विरोध प्रदर्शन कर आक्रोश जताया गया। राजपूत समाज महेंद्रगढ़ के पूर्व प्रधान सवाई सिंह राठौड़ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा घोषित 67 उम्मीदवारों में राजपूत समाज से केवल एक व्यक्ति को टिकट दिया गया है जबकि राजपूत समाज की राज्य में 10 से 11 प्रतिशत जनसंख्या है और बहुसंख्यक राजपूत समाज सदैव भाजपा को वोट देता है। कुल 90 टिकटों कुल 3 राजपूतों को ही टिकट मिली है। ऐसे में भाजपा द्वारा राजपूत समाज की उपेक्षा करने पर समाज द्वारा वोट की चोट करके प्रत्युत्तर देने की चर्चा चल रही है।

चिराना में राजपूत समाज सेवा समिति की बैठक संपन्न

नवलगढ़ क्षेत्र के चिराना गांव में स्थित राजपूत धर्मशाला में राजपूत समाज सेवा समिति की बैठक 8 सितंबर को आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न क्षेत्रीय सामाजिक मुद्दों पर चर्चा हुई। विक्रम सिंह मझाऊ ने बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में सर्वसम्मति से अमर सिंह चिराना को ग्राम अध्यक्ष नियुक्त किया गया। कैप्टेन रूपसिंह भोजनगर ने अग्निवीर योजना पर अपनी बात रखी। बैठक में अनेकों ग्रामवासी उपस्थित रहे।

पालनपुर प्रांत में संपर्क यात्रा का आयोजन

पालनपुर प्रांत में वडगाम तहसील के मेमदपुर गांव में आयोजित होने वाले प्रा.प्र. शिविर के लिए विभिन्न गांवों में संपर्क यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा के तहत 01 सितंबर को मगरवाडा, मजादर, रजोसणा, तेनीवाडा, भरकावाडा, वेसा, रूपाल, नगाणा, पीलुचा, थलवाडा, डालवाणा आदि गांवों में संपर्क किया गया। 4 सितंबर को मेरवाड़ा, अस्मापुरा, ढेलाणा, भागल और करजोड़ा गांवों में संपर्क किया गया। 8 सितंबर को पसवादल, कोटडी, मगरवाडा, मालोसण, नलासर, अडेरण, अभापुरा, गंगवा, गोधणी, जवानगढ, गंछेरा, जोईता आदि गांवों में संपर्क करके शिविर का निमंत्रण दिया गया। प्रांत प्रमुख अजीत सिंह कुणघेर सहयोगियों के साथ संपर्क यात्रा में शामिल रहे।

सुधीर सिंह ठाकरियावास को पितृशोक

श्री उम्मेद सिंह जी

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक सुधीर सिंह ठाकरियावास के पिता **श्री उम्मेद सिंह जी** का देहावसान 3 सितंबर 2024 को हो गया। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है एवं शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

प्रभु सिंह सेतरावा को पितृशोक

श्री सुल्तान सिंह

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक प्रभु सिंह सेतरावा के पिता **श्री सुल्तान सिंह** जी का देहावसान 11 सितंबर 2024 को हो गया। सुल्तान सिंह जी के भतीजे भोम सिंह व उम्मेद सिंह भी संघ के स्वयंसेवक हैं। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है एवं शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

श्री प्रवीण सिंह जी सोलिया का देहावसान

प्रवीण सिंह जी

श्री क्षत्रिय युवक संघ के वयोवृद्ध स्वयंसेवक **श्री प्रवीण सिंह जी सोलिया** (राजकोट) का देहावसान 9 सितंबर 2024 को हो गया। उन्होंने अपने जीवनकाल में श्री क्षत्रिय युवक संघ के 19 शिविर किए जिनमें दो उच्च प्रशिक्षण शिविर, दो माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर, दस प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर एवं पांच विशेष शिविर शामिल हैं। 16-18 जुलाई 1994 में राजकोट में आयोजित प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर उनका प्रथम शिविर था। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है एवं शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक

श्री कमलसिंह

भैंसड़ा, जैसलमेर, (व्याख्याता स्कूल शिक्षा) को शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा

जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान-2024

से सम्मानित करने पर हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं

शुभेच्छु :

रणजीत सिंह चौक	**मेराजसिंह** सांकड़ा	**हरीसिंह** सांकड़ा
नरपतसिंह राजगढ़	**राजेन्द्रसिंह** भैंसड़ा	**स्वरूपसिंह** नेड़ान
भैरवसिंह लूणा	**अर्जुनसिंह** फलसूण्ड	**देवीसिंह** भणियाणा
कुलदीपसिंह फलसूण्ड	**सुरेन्द्रसिंह** ओला	**जसवंतसिंह** भैंसड़ा
तनेरावसिंह भैंसड़ा	**पेपसिंह** सांकड़ा	**डूंगरसिंह** नेड़ान

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (स्वत्वाधिकारी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक राजेन्द्र सिंह राठौड़ द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, डी बी कॉर्प लिमिटेड, प्लोट नंबर-01, मंगलम कनक वाटिका के पीछे, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, रेल्वे क्रोसिंग के पास, बिलवा, शिवदासपुरा, टोंक रोड़, जयपुर (राजस्थान)-303903 (दूरभाष- 6658888) से मुद्रित एवं ए-8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 (दूरभाष- 2466353) से प्रकाशित। संपादक- राजेंद्र सिंह राठौड़।
Email- pathprerak1997@gmail.com Website- www.shrikys.org